आज दिनांक 01.10..2011 को विश्वविद्यालय परिसर में निम्न विषय की पाठ्यक्रम समिति की एक आवश्यक बैठक हुई, जिसमें निम्न प्राध्यापकगण उपस्थित हुए :–

Date :- 01.10.2011 Subject :- Sanskrit Committee Place :- Committee Hall

1. Dr. Vandana Jain
2. Dr. Madhu Agarwal
3. Dr. Iswari Devi
4. Prof. Umakant Yadav
5. Prof. Aayodhya Das
6. Dr. P. B. Mishra

महात्मा ज्योतिबा फुले, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
स्नातक स्तर पर परिवर्तित पाठ्यक्रम

यह स्नातक पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय है। प्रथम वर्ष में पाठ्यक्रम में दो प्रश्न-पत्र, द्वितीय वर्ष में दो प्रश्न-पत्र तथा तृतीय वर्ष में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। तृतीय वर्ष का तृतीय प्रश्न-पत्र वैकल्पिक होगा। जिसमें छात्र को दोनों विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होगा।

सत्र 2011-12 से प्रभावी

बी0ए0 -प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न-पत्र — 50 पूर्णांक

(संस्कृत काव्य तथा काव्यशास्त्र)

प्रथम वर्ग (Unit - I) — 14 अंक

नीतिशतकम् - श्री भर्तृहरि

(हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)

द्वितीय वर्ग (Unit - II) — 14 अंक

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - भारवि

(हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)

तृतीय वर्ग (Unit - III) — 14 अंक

शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग से आरम्भिक 40 श्लोक)- माघ

(हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) — 08 अंक

साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ)

(व्याख्यात्मक समीक्षात्मक प्रश्न)

काव्य का लक्षण, काव्य प्रयोजन तथा महाकाव्य का लक्षण

सहायक पुस्तकें:-

1. नीतिशतकम् - आनन्द कुमार पाठक
2. नीतिशतकम् - श्रीमती शोभासत्यदेव
3. नीतिशतकम् - जनार्दनशास्त्री पाण्डेय
4. किरातार्जुनीयम् - (1-2 सर्गौ), भारविः, हिन्दीसंस्कृतटीकासहितम् - आचार्य कनकलाल शर्मा
5. शिशुपालवधम् - (प्रमिद्वितीयसर्गौ), माघः, हिन्दीसंस्कृतटीकायुतम - डॉ0 केशवराव मुसलगाँवकर
6. किरातार्जुनीयम् - (प्रथम सर्ग) - दामोदर प्रसाद शर्मा
7. किरातार्जुनीयम - एक विश्लेषण - चुन्नीलाल शुक्ल
8. किरातार्जुनीयम् - डॉ0 जनार्दन गंगाधर रटाटे
   किरातार्जुनीयम् - डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी
   किरातार्जुनीयम् - डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी
   किरातार्जुनीयम् - डॉ0 कृष्ण कुमार
9. शिशुपालवधम् - आलोचनात्मक अध्ययन - चुन्नीलाल शुक्ल
10. शिशुपालवधम् - (प्रथम सर्ग) - डा0 शिवबालक द्विवेदी
11. साहित्य दर्पण - विश्वनाथः, चौखम्भा, वाराणसी
12. कालिदास - अपनी बात - प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

50 पूर्णांक

(व्याकरण, अनुवाद और संस्कृत साहित्य का इतिहास)

प्रथम वर्ग (Unit - I)

15 अंक

लघुसिद्धानत कौमुदी - संज्ञा तथा अचसन्धि प्रकरण
(सूत्र व्याख्या, सन्धि विच्छेद, सन्धि योजना)

द्वितीय वर्ग (Unit - II)

15 अंक

लघुसिद्धान्त कौमुदी - हल् तथा विसर्ग सन्धि प्रकरण
(सूत्र व्याख्या, सन्धि विच्छेद, सन्धि योजना)

तृतीय वर्ग (Unit - III)

10 अंक

हिन्दी गद्य का संस्कृत भाषा में अनुवाद

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV)

10 अंक

संस्कृत काव्य साहित्य का इतिहास
बाल्मीकि, व्यास, अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, भर्तृहरि - व्यक्तित्व तथा कर्तृत्व)

सहायक पुस्तकें:

1. लघुसिद्धानतकौमुदी-(संज्ञासन्धिप्रकरणे) - वरदराज: हिन्दीटीकाकर्त्री - डॉ0 प्रेमा अवस्थी
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वदरराज:, हिन्दीसंस्कृतटीकासहिता - डॉ0 दीनानाथ तिवारी
3. संस्कृत व्याकरण तथा लघु सिद्धान्त कौमुदी - कपिल देव द्विवेदी
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज:, हिन्दीटीकाकार: - डॉ0 सुरेन्द्रदेव स्नातक:
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज:, हिन्दीटीकाकार: - डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज:, भौमटी का संहिता - डॉ0 भीमसेन शास्त्री
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी - (संज्ञा एवं संधिप्रकरण) - डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. वृहद् अनुवादचन्द्रिका - चक्रधर हंस नौटियाल
9. अनुवादकला - चारूदेव शास्त्री
10. अनुवादचन्द्रिका - डॉ0 यदुनन्दनमिश्र:
11. संस्कृतसाहित्य का इतिहास - ए.बी.कीथ, अनुवादक: - डा0 मंगलदेवशास्त्री
12. संस्कृतसाहित्य कासमालोचनात्मक इतिहास - रामविलास चौधरी
13. प्राचीन भारतीय साहित्य - (भाग-1 प्रथमखण्ड), विन्टरनिट्ज, अनुवादक:- रामचन्द्रपाण्डेय:
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञासन्धिप्रकरणम्) - डॉ0 शिवबालक द्विवेदी
15. संस्कृतरचनानुवाद - कौमुदी - डॉ0 शिवबालक द्विवेदी
16. संस्कृतरचनानुवाद - प्रभा - डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री

सत्र 2012-13 से प्रभावी

बी0ए0 - द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न-पत्र — 50 पूर्णांक

(नाटक, गद्यकाव्य तथा काव्यशास्त्र)

प्रथम वर्ग (Unit - I) — 15 अंक

अभिज्ञानशाकुन्तम् - कालिदास

मूलपाठ का व्याख्यात्मक अध्ययन

द्वितीय वर्ग (Unit - II) — 10 अंक

कादम्बरी - महाश्वेतावृतान्त - व्याख्यात्मक अध्ययन

अथवा

शुकनासोपदेश: - व्याख्यात्मक अध्ययन

तृतीय वर्ग (Unit - III) — 10 अंक

प्रथम वर्ग तथा द्वितीय वर्ग के ग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न तथा सूक्ति व्याख्या

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) — 10 अंक

साहित्य दर्पण - आचार्य विश्वनाथ

नाटकलक्षण, कथा तथा आख्यायिका का लक्षण

अलंकार - अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, विभावना, विशेषोक्ति

सहायक पुस्तकें -

1. अभिानशाकुन्तलम् - कालिदास:- हिन्दीसंस्कृतव्याख्याकार - डॉ0 सुधाकरमालवीय:
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास:- हिन्दीसंस्कृतटीकाकार - डॉ0 गंगासागरराय
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास:- डॉ0 शिवबालक द्विवेदी
4. महाकवि कालिदास - डॉ0 रमाशंकरतिवारी
5. महाकवि बाणभट्ट और उनका साहित्यिक अवदान - प्रो0 अमरनाथ पाण्डेय
6. महाश्वेतावृत्तान्त: - मोहनदेवपन्त:
7. कालिदास: - प्रो0 के0 कृष्णामूर्ति
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास - डॉ0 एम0आर0काले
9. कादम्बरी-महाश्वेतावृत्तान्त:- बाणभट्ट:, हिन्दीसंस्कृतटीकाकार:- डॉ0 जमुनापाठक
10. संस्कृतनाटक (उद्भव और विकास) - डॉ0 ए0बी0कीथ, अनुवादक - उदयभानु सिंह
11. संस्कृत के प्रमुख नाठककार औश्र उनकी कृतियाँ - डॉ0 गंगासागरराय
12. काव्यशोभा - (साहित्यदर्पणसंग्रह)-सम्पादक: - प्रो0 बृजेशकुमारशुक्ल
13. साहित्यदर्पण: - आचार्य: विश्वनाथ:- चौखम्भा, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न-पत्र 50 पूर्णांक

(व्याकरण, निबन्ध, गद्यनाट्य साहित्य का इतिहास)

प्रथम वर्ग (Unit - I) 15 अंक

लघुसिद्धान्तकौमुदी - अजन्तप्रकरण

(सूत्र व्याख्या)

द्वितीय वर्ग (Unit - I) 15 अंक

(रूप एवं रूप सिद्धि)

लघुसिद्धान्तकौमुदी -

अजन्त प्रकरण -

पु0 - राम, सर्व, हरि

स्त्री0 -रमा, सर्वा, मति, नदी

नपु0 -ज्ञान, वारि, मधु

हलन्त प्रकरण - युष्मद्, अस्मद्, तद्

तृतीय वर्ग (Unit - III) 10 अंक

संस्कृत भाषा में निबन्ध

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) 10 अंक

नाट्यसाहित्य-इतिहास

(भास के नाटक, अभिज्ञानशाकुन्तलम्,

मालविकाग्निमित्रम, विक्रमोर्वशीयम, मुद्राराक्षसम्, मृच्छकटिकम्,)

सहायक पुस्तकें-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
2. संस्कृतनिबन्धमकरन्द (1-2 भाग) - डॉ0 विजयशंकरपाण्डेय, डॉ0 कृष्णदत्तमिश्र, सम्पादक - डा0 जमुनापाठक
3. संस्कृत कवि दर्शन - डा0 भोलाशंकरव्यास
4. संस्कृतनाटक - उद्भव और विकास - डा0 ए.बी.कीथ, अनुवादक - उदयभानु सिंह
5. संस्कृतनिबन्धमंजरी - शिवप्रसाद शर्मा
6. संस्कृतवाङ्मय का वृहद् इतिहास - पंचमखण्ड - गद्य - प्रो0 जयमन्तमिश्र
7. निबन्धकुसुमांजलि - जयमन्तमिश्र
8. संस्कृतनिबन्धचन्द्रिका - ग्रन्थम, कानपुर
9. आदर्शसंस्कृतनिबन्धरत्नमाला - विश्वनाथशास्त्री
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी -वरदराज - व्याख्याकार - डा0 शिवबालक द्विवेदी
11. निबन्धादर्श - म.म. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
12. संस्कृतनिबन्धशतकम् - कपिलदेव द्विवेदी

सत्र - 2013 - 14 से प्रभावी

बी0ए0 - तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न-पत्र 50 पूर्णांक

(वेदमन्त्र, अपठितांश तथा भारतीयसंस्कृति)

प्रथम वर्ग (Unit - I) 15 अंक

वेदसूक्त

(मन्त्रव्याख्यात्मकअध्ययन)

ऋगवेद - पुरूष सूक्त 10/90, अग्नि सूक्त 1/1

शुक्ल यजु0 - शिव संकल्प सूक्त

अथर्व0 - पृथ्वी सूक्त 1 - 25 मंत्र

द्वितीय वर्ग (Unit - II) 15 अंक

ईशावास्योपनिषद्

(व्याख्यात्मक अध्ययन)

तृतीय वर्ग (Unit - III) 10 अंक

अपठितांश का हिन्दी भाषा में अनुवाद

(मूलरामायणम्, श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय, श्रीमद्भागवत - भ्रमरगीतम्)

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) 10 अंक

भारतीय संस्कृति

(पुरूषार्थचतुष्टय, वर्णाश्रमधर्म, संस्कार तथा पंचमहायज्ञ)

सहायक पुस्तकें -

1. श्रुतिप्रभा - (वेदसूक्तानां संकलनम्) - सम्पादक - प्रो0 बृजेशकुमार शुक्ल
2. वेदामृतम् - ग्रन्थम्, कानपुर
3. ईशावास्यापनिषद् - (शांकरभाष्ययुता) - हिन्दीटीकाकार - डा0 श्रीकृष्णमणित्रिपाठी
4. ईशावास्योपनिषद् - हिन्दीटीकाकर्त्री - डा0 गायत्री शुक्ल
5. ईशावास्योपनिषद - (शांकरभाष्यसहिता) - व्याख्याकार - डा0 शिवबालक द्विवेदी
6. ईशावास्यापनिषद - (शांकरभाष्यसति) - व्याख्याकार - डा0 शिवबालक द्विवेदी
7. वाल्मीकिरामायणम् - बाल्मीकि - गीता प्रेस, गोरखपुर
8. श्रीमद्भगवद्गीता -हिन्दीटीकाकार - डा0 श्रीकृष्णत्रिपाठी
9. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृतटीकायुता) - श्री सनातनदेव
10. श्रीमद्भावगद्पुराण (द्वितीय भाग) - गीता प्रेस, गोरखपुर
11. भारतीय संस्कृति - शिवदत्तज्ञानी
12. भारत की संस्कृति साधना - डॉ0 रामजी उपाध्याय
13. हिन्दी संस्कार - डा0 राजबली पाण्डेय
14. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी0वी0काणे, (प्रथम भाग) - हिन्दी अनुवादक, श्री अर्जुन चौबे
15. भारतीय संस्कृति - डा0 शिवबालक द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न-पत्र — 50 पूर्णांक

(नाटक, व्याकरण और छन्द)

प्रथम वर्ग (Unit - I) — 15 अंक

उत्तररामचरितम् - भवभूति

(मूलपाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)

द्वितीय वर्ग (Unit - II) — 10 अंक

उत्तररामचरितम् - समीक्षात्मक अध्ययन

तृतीय वर्ग (Unit - III) — 15 अंक

लघुसिद्धान्तकौमुदी – कृदन्तप्रकरण

(सूत्रव्याख्या तथा शब्दसन्धि)

(तव्यत् तव्य, अनीयर्, केलिमर्, अच्, क्यप्, यत्, ण्यत्, ण्वुल, तृच्, कः, अण्, क्त्वा, ल्यप्, णमुल, शतृ, शानच्)

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) — 10 अंक

छन्दों का लक्षण तथा उदाहरण

(आर्या, अनुष्टप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलंम्बितम्, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्त्रग्धरा)

सहायक पुस्तकें -

1. उत्तरामचरितम् भवभूति, हिन्दीसंस्कृतटीकाकार - डॉ0 रमाशंकरत्रिपाठी
2. उत्तरामचरितम् भवभूति, हिन्दीसंस्कृतटीकाकार - डॉ0 कपिलदेव गिरि
3. उत्तरामचरितम् भवभूति, हिन्दीसंस्कृतटीकाकार - डॉ0 प्रत्यूषवत्सला द्विवेदी
4. महाकवि भवभूति - बी0बी0 मिसशी
5. करूणरस सिद्धान्त तथा प्रयोग - डॉ0 प्रीति सिन्हा
6. भवभूति के नाटक - डॉ0 ब्रजवल्लभ शर्मा
7. कृदन्तसूत्रावलि (लघुसिद्धान्तकौमुद्या कृदन्तांशसकलनम्) - डॉ0 बृजेश कुमार शुक्ल
8. वृत्तसङ्ग्रह - (छन्दसां संकलनम्) - डॉ0 बृजेश कुमार शुक्ल
9. कृदन्तप्रकरणम् - डॉ0 शिवबालक द्विवेदी
10. श्रुतबोध - डॉ0 बृजेशकुमारशुक्ल

तृतीय प्रश्न-पत्र — 50 पूर्णांक

(अद्यतनसंस्कृतसाहित्य्)

प्रथम वर्ग (Unit - I) — 15 अंक

अद्यतन संस्कृतकविता

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, प्रो0 श्रीनिवासरथ, प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो0 रहसबिहारी द्विवेदी

द्वितीय वर्ग (Unit - II) — 15 अंक

अद्यतन संस्कृतकविता

(व्याख्यात्मक अध्ययनम्)

प्रो0 जगन्नाथपाठक, प्रो0 बृजेशकुमारशुक्ल, डॉ0 रामशंकरअवस्थी, पं0 विद्याधरदीक्षित

तृतीय वर्ग (Unit - III) — 10 अंक

शिवराजविजय - अम्बिकादत्त व्यास - प्रथम नि:श्वास

(व्याख्यात्मक अध्ययनम्)

चतुर्थ वर्ग (Unit - IV) — 10 अंक

आधुनिकसंस्कृतसाहित्य-इतिहास

(पद्यसाहित्यम्, गद्यसाहित्यम्, कथोपन्याससाहित्यम्, नाट्यसाहित्यं)

सहायक पुस्तकें-

1. कविलोचनिका (अद्यतनकवीनां कवितासंग्रह) - सम्पादक - प्रो0 बृजेशकुमारशुक्ल
2. शिवराजविजय - अम्बिकादत्त व्यास - डॉ0 ओमप्रकाशपाण्डेय
3. संस्कृतसाहित्य (बीसवी शताब्दी) - डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी
4. बीसवीं शती के महाकाव्य - प्रो0 रहसबिहारी त्रिपाठी
5. आधुनिक संस्कृतनाटक (दो भाग) डॉ0 रामजी उपाध्याय
6. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तमखण्ड) - डॉ0 जगन्नाथपाठक
7. संस्कृतसाहित्य का इतिहास - ग्रन्थम, कानपुर

अथवा

तृतीय प्रश्न पत्र

50 पूर्णांक

संस्कृत अथवा हिन्दी संरचना और मौखिकी

(क) संस्कृत अथवा हिन्दी भाषा में 25 पृष्ठ का लघुशोध प्रबन्ध (Project Work) 25 अंक

(ख) मौखिक परीक्षा 25 अंक

Govt. P. G. College, Bilaspur (Rampur) U.P.

M.A. Sylabus

एम. ए.

1\. वेद, निरुक्त, प्रातिशाख्य तथा वैदिक साहित्य का इतिहास - 11208

सूक्त समुच्चय - 30, ऋग्वेद प्रातिशाख्य (तृतीय पटल) 10, पदपाठ - 5
निरुक्त (1, 2, 7 अध्याय) 25, ऋग्वेद भाष्य भूमिका - 10, वैदिक सा. का इतिहास - 20

2\. प्राचीन एवं अर्वाचीन काव्य - मेघदूत (सम्पूर्ण) - 30, नैषधीय चरित (प्र. सर्ग) - 20, विक्रमाङ्क. (प्रथम सर्ग - 20) आर्यार्द्धि: - 30 11209

3\. भाषा विज्ञान और व्याकरण - 11210

भाषा विज्ञान - 60, लघुसिद्धान्त कौमुदी (तद्धित, कृदन्त, स्त्री) 40

4\. भारतीय दर्शन - सांख्यकारिका - 30, तर्कभाषा - 30, वेदान्तसार - 30, आस्तिक और नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय - 10 11211

5\. निबन्ध तथा व्याकरण - निबन्ध - 50, सिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - 15, महाभाष्य (1, 2 आह्निक) 15, लघुसिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त) - भू, एध, अद, हु, दिव, षुञ, तुद, रुध, तन, क्री, चुर तथा ण्यन्त, सनन्त, यङन्त, नामधातु, लकारार्थ, आत्मनेपद, परस्मैपद

11212

6\. गद्य, चम्पू तथा पुराणेतिहास

11213 कादम्बरी (कथामुखम्) - 40, नलचम्पू (प्रथमोच्छ्वास) - 20, दशकुमारचरित - 20, रामायण, महाभारत, पुराण परिचय - 20

7\. नाट्यशास्त्र एवं नाटक

11214 दशरूपकम् (सम्पूर्ण) - 40, उत्तररामचरित - 20 / वेणीसंहार - 20, मृच्छकटिकम् - 20, रत्नावली - 20

8\. काव्यप्रकाश - 80 (1-5 व 8 उल्लास) सप्तम में से केवल रसदोष। नवम, दशम से - कुछ अलंकार

11215 ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) - 20

9\. साहित्य सिद्धान्त -

11216 काव्यमीमांसा (1-5 अध्याय) - 40, वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) - 30, रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सम्प्रदाय का परिचय तथा गुणदोष, महावाक्य मीमांसा

70145 10. Vivo-Voce

CS Scanned with CamScanner

Course Outcomes (Sanskrit)

B.A. (Sanskrit) CO1 काव्य एवं काव्य भाास्त्र, किराताज्र्ुनियम महाभारत (वनकाव्य)

B.A. (Sanskrit) CO2 व्याकरण अनुवाद एवं संस्क ृत साहित्य का इतिहास–संज्ञा सन्धि प्रकरण

B.A. (Sanskrit) CO3 नाटक गद्यकाव्य तथा काव्य भाास्त्र, अभिज्ञान भााकुन्तलम, कादम्बरी महा"र्वेतावृतान्त तथा भाुकनासोपद`"ा साहित्य दर्पण नाटक लक्षण, कथा तथा आख्यायिका

B.A. (Sanskrit) CO4 व्याकरण, निबन्ध, गद्यनाटय साहित्य का इतिहास, लघुसिद्धान्त कौमुदी (अजन्तप्रकरण) नाटक साहित्य का इतिहास–भास के नाटक अभिज्ञान भााकुन्तलम, मुद्राराक्षख मृच्छकटिकम्

B.A. (Sanskrit) CO5 वेदमन्त्र, अपठिता"ा तथा भारतीय संस्क ृति, ऋग्वेद–पुरूश सूक्त, अग्निसूक्त, भाुक्त सूक्त, ि"ाव संकल्प मूक्त, अथर्ववेद–पृथ्वी सूक्त। ई"ाावस्योपनिशद, मूलरामायण, श्री मदभगवतगीता, भ्रमरगीत, भारतीय संस्क ति–पुरूशार्थ चत ुश्टय, वर्णाश्रमधर्म, संस्कार एवं पंचमहायज्ञ।

B.A. (Sanskrit) CO6 नाटक, व्याकरण, और छनद, उत्तररामचरितमानस, लघुसिद्धान्त कौमुदी क ृदन्तप्रकरण व छनद आर्य, अन ुश्टुप, इन्द्रवज्रा, उपन्द्रवज ा, उपजाति, वं"ास्थ, मन्दाक्रान्ता, ि"ाखरिणी आदि।

B.A. (Sanskrit) CO7 अद्यतन संस्क ृत साहित्य, अद्यतनकविता, ि"ावराज विजयम प्रथम नि"वास, आधुनिक संस्क ृत साहित्य का इतिहास। च्तवहतंउउम वनजबवउमे ;देातपजद्ध

Programme Outcomes (Sanskrit)

B.A. (Sanskrit) PO1 महाभारत काल के राज्य व्यवस्था क` विशय में ज्ञान प्राप्त होता है तथा संज्ञा और सन्धि क` ज्ञान प्राप्त करते हैं।

B.A. (Sanskrit) PO2 प्राचीन संस्क ृत साहित्य के नाटय भाास्त्र का ज्ञान प्राप्त होता है तथा व्याकरण में रूप और हलन्त प्रकरण युश्मद अस्मद तद इत्यादि क` विशय पर व्रहद ज्ञान प्राप्त होता है।

B.A. (Sanskrit) PO3 वेदों भाास्त्रो ं का ज्ञान प्राप्त होता है। भारतीय संस्क ृति संस्कार वर्णआश्रम इत्यादि क` विशय पर ज्ञान प्राप्त होता है। संस्क ृत का प्राचीनतम इतिहास के विशय में ज्ञान प्राप्त होता है तथा विभिन्न छन्दों क` विशय में ज्ञान प्राप्त होता है।

Programme specific outcomes (Sanskrit)

B.A. (Sanskrit) PSO1 संस्क ृत का क्षेत्र वि"ाल है। रोजगार के विभिन्न क्षेत्र छात्र/छात्राओं को आमन्त्रित करते हैं ज ैसे f"क्षा का क्षेत्र, पाणिडत्य का क्षेत्र, पुरातत्व विभाग प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्क ृत साहित्य का क्षेत्र, विभिन्न दे"ाों में संस्क ृत अन ुवादक इत्यादि। विभिन्न प्रकार के अन ुश्ठाान तथा गृह भाान्ति व अन्यान्य प्रकार की पूजा अर्चना कराने हेत ु दे"ा तथा विदे"ा में भी विद्वानों की महती आव"यकता होती है।